



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 7 फरवरी, 2004/18 माघ, 1925

हिमाचल प्रदेश सरकार

विधि विभाग

अभिसूचना

शिमला-2, 4 फरवरी, 2004

संख्या एल०एल०आर०ई (9)-7/2000-लेज.—श्री नरेन्द्र कुमार बंसल, अधिवक्ता, कण्डाघाट ने कण्डाघाट उप-मण्डल, जिला सोलन की सीमाओं के भीतर नोटरी के रूप में नियुक्ति के लिए नोटरी अधिनियम, 1952 (1952 का 53) और उसके अन्तर्गत नोटरी नियम, 1956 के अधीन आवेदन किया है और इस सम्बन्ध में अधिनियम और नियमों द्वारा अपेक्षित सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, जिला मैजिस्ट्रेट, सोलन की सिफारिशों पर, जो कि इस निमित्त सक्षम प्राधिकारी है, और नोटरी नियम, 1956 के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री नरेन्द्र कुमार बंसल, अधिवक्ता को कण्डाघाट उप-मण्डल जिला सोलन की सीमाओं के भीतर तुरन्त प्रभाव से पब्लिक नोटरी नियुक्त करते हैं तथा यह भी निदेश देते हैं कि इनका नाम सरकार द्वारा इस निमित्त बनाए गए रजिस्टर में दर्ज कर लिया जाए।

आदेश द्वारा,

जे० एल० गुप्ता,
सचिव (विधि)

[Authoritative english text of this Department notification No. LLR-E(9)-7/2000-Leg., dated 4-2-2004 as required under Article 348 (3) of the Constitution of India].

LAW DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 4th February, 2004

No. LLR-E (9)7/2000-Leg.—WHEREAS Shri Narinder Kumar Bansal, Advocate, Kandaghat has applied for appointment as Public Notary under the Notaries Act, 1952 (53 of 1952) and the Notaries Rules, 1956 made thereunder, within the territorial limits of Kandaghat Sub-Division of Solan district;

AND WHEREAS all the formalities required under the said Act and Rules have been completed.

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh, on the recommendations of the District Magistrate, Solan who is a competent authority and in exercise of the powers conferred by section 3 of the said Act, read with rule 8 of the Notaries Rules, 1956 is pleased to appoint Shri Narinder Kumar Bansal, Advocate, as Public Notary within the limits of Kandaghat Sub-Division of Solan district, Himachal Pradesh with immediate effect with the direction that his name may be entered in the Register of Notaries maintained by the Government.

By order,

J. L. GUPTA,
Secretary (Law).